



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 30]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जनवरी 30, 1986/माघ 10, 1907

No. 30]

NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 30, 1986/MAGHA 10, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1986

अधिसूचना

का. आ. 31(अ).—मिजो नेशनल फ्रंट (जिसे इसमें इसको  
पश्चात् फ्रंट कहा गया है),—

- (1) अपने उद्देश्य के रूप में खुले तौर पर यह घोषणा कर चुका है कि वह एक स्वतंत्र मिजोरम बनाना चाहता है, जिसमें मिजोरम संघ राज्य क्षेत्र और असम, मनीपुर और छिपुरा के वसे हुए क्षेत्र मिजो या कुकी सम्मिलित होंगे और फ्रंट उक्त क्षेत्रों को भारत के सब से विलग करने के उक्त उद्देश्य पर अड़ा हुआ है ;
- (2) एक सशस्त्र बल, अर्थात्, तथाकथित मिजो नेशनल आर्मी और उसके द्वारा स्थापित अन्य निकाय उन्ने उपर्युक्त उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए नियोजित कर रहा है ;
- (3) उपरोक्त उद्देश्य को अग्रसर करने के लिए उक्त सशस्त्र बल के सदस्यों को और अन्य व्यक्तियों को हिंसा, अभिवास और अपने संगठन के लिए

व्यक्तियों की भर्ती और निधि का संग्रह करने के लिए नियोजित कर रहा है ;

- (4) अपने उपर्युक्त उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए अपने संगठन और तथाकथित मिजो नेशनल आर्मी सशस्त्र बल के माध्यम से विदेशों के साथ सम्पर्क स्थापित और उनसे सहायता प्राप्त कर रहा है ;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उपर्युक्त कारणों से फ्रंट और उसके द्वारा स्थापित अन्य निकायों, जिसके अन्तर्गत सशस्त्र बल, अर्थात् तथाकथित मिजो नेशनल आर्मी भी है, विधि-विरुद्ध संगम है ;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय भी है कि फ्रंट और उसके अन्य निकायों को जिसके अन्तर्गत तथाकथित मिजो नेशनल आर्मी भी है, विधि-विरुद्ध प्रोषित करना आवश्यक है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "मिजो नेशनल फ्रंट, जिसके अन्तर्गत उसके द्वारा स्थापित अन्य निकाय तथा तथाकथित मिजो नेशनल आर्मी भी है" को विधि-विरुद्ध संगम घोषित करती है ।

[फा. सं. 8/14/85-एन. ई.-1]

आर. वासुदेवन, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 30th January, 1986

## NOTIFICATION

S.O. 31(E).—Whereas the Mizo National Front (hereinafter referred to as the Front)—

- (i) which had openly declared as its objective the formation of an independent Mizoram comprising the Union Territory of Mizoram and the adjacent Mizo or Kuki inhabited areas of Assam, Manipur and Tripura and continues to maintain the said objective of bringing about secession of the said areas from the Union of India ;
- (ii) has been employing an armed force, namely, the so-called Mizo National Army, and other bodies set up by it to achieve its aforesaid objective ;
- (iii) has, in furtherance of the aforesaid objective, been employing the members of the said armed force and other persons for indulging in acts of violence, intimidation and for recruitment of persons and collection of funds for its organisation ;

- (iv) has, to achieve its aforesaid objective, established contacts with, and secured assistance from foreign countries through its organisation and armed force for the so-called Mizo National Army ;

And whereas the Central Government is of opinion that for the reasons aforesaid, the Front and other bodies set up by it, including its armed force, namely, the so-called Mizo National Army, are unlawful associations ;

And whereas the Central Government is further of the opinion that it is necessary to declare the Front and its other bodies, including the so-called Mizo National Army, to be unlawful ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby declares the "Mizo National Front including other bodies set up by it and the so-called Mizo National Army" to be unlawful associations.

[F. No. 8/14/85-NE. I]

R. VASUDEVAN, Jt. Secy.